

18/4
२२

वादि्या अधिवक्ता उप रिचत। विणिये
अलग से लिखवाया जाकर सुनाया
गया। वादि्या का वादपत्र गली - गान्ति
साबित नही होने पर खारिज किया
जाता है। पत्रावली विणिति होकर
गम्वर से काम होकर दाखिल करत रहे



Bd
अधिकारी (राजस्व)
श्री करणपुर